सत्यमेव जयते

भारत सरकार

आत्मनिर्भर भारत

समग्र और समावेशी विकास का मंत्र

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 74वें स्वतंत्रता दिवस
के अवसर पर दिए गए संबोधन के मुख्य अंश

विषय सूची

- गृह मंत्रालय 1-4
- रक्षा मंत्रालय 5-6
- वित्त मंत्रालय 7-10
- कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय 11-12
- संचार मंत्रालय 13
- इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय 14-15
- सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय 16-18
- शिक्षा मंत्रालय 19-20
- जनजातीय कार्य मंत्रालय 21-22
- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय 23-24
- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय 25-27
- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय 28
- वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय 29-30
- जल शक्ति मंत्रालय 31-32
- आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय 33-34
- पर्यटन मंत्रालय 35-36
- संस्कृति मंत्रालय 37
- नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय 38-39
- ऊर्जा मंत्रालय 40
- रसायन और उर्वरक मंत्रालय 41
- पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय 42
- युवा कार्य और खेल मंत्रालय 43-44
- विदेश मंत्रालय 45-47

गृह मंत्रालय

जम्मू व कश्मीर संघ शासित क्षेत्र में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद समाज के कुछ तबकों को बुनियादी अधिकार

- जम्मू-कश्मीर की नई विकास यात्रा में बीता एक साल मील का पत्थर रहा है।
- बीते एक साल में महिलाओं और दलितों को उनके बुनियादी अधिकार उपलब्ध कराए गए हैं।
- यह एक ऐसा साल रहा है, जिस दौरान शरणार्थियों ने गरिमापूर्ण जीवन जीना शुरू किया है।

'गांव की ओर लौटो' अभियान का शुभारम्भ

गांवों की ओर लौटो जैसे कई अभियानों का शुभारम्भ किया गया, जिससे गांवों को फायदा हो सके।

जम्मू व कश्मीर और लद्दाख में आयुष्मान भारत योजना का सर्वोत्तम तरीके से उपयोग

प्रतिनिधि राजनीति के पुनरुत्थान के लिए अभियान

- यह गर्व की बात है कि जम्मू व कश्मीर में स्थानीय इकाइयों के प्रतिनिधि सक्रियता और संवेदनशीलता के साथ विकास के नए दौर में सक्रिय रूप से आगे बढ़ रहे हैं।
- उच्चतम न्यायालय के एक सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश की निगरानी में जम्मू-कश्मीर में परिसीमन की कवायद की जा रही है।
- परिसीमन की प्रक्रिया जितनी जल्दी पूरी होगी, उतनी जल्दी चुनाव होंगे। जम्मू व कश्मीर के अपने विधायक, उनकी अपनी कैबिनेट, उसका अपना मुख्यमंत्री होना चाहिए, जिससे वह एक नए जोश के साथ विकास की ओर अग्रसर हो सके।
- भारत इसके लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में हर प्रयास कर रहा है।

लद्दाख के लोगों की एक संघ शासित क्षेत्र की पुरानी आकांक्षाओं को पूरा कर दिया गया।

- एक संघ शासित क्षेत्र बनाकर लद्दाख के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए एक साहसी कदम उठाया गया है, जो उनकी पिछली कई साल से मांग रही है।

लद्दाख संघ शासित क्षेत्र में एक शैक्षणिक आधारभूत ढांचा विकसित किया जा रहा है

- लद्दाख नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय, नए अनुसंधान केन्द्रों की स्थापना, होटल एवं प्रबंधन के लिए नया पाठ्यक्रम तैयार करने की दिशा में काम जारी है।

लद्दाख संघ शासित क्षेत्र का निर्माण स्वच्छ पर्यावरण की दिशा में एक नये मोर्चे के समान

- लद्दाख संघ शासित क्षेत्र में 7,500 मेगावाट के सोलर पार्क की स्थापना की योजना पर काम जारी है।
- जिस तरह सिक्किम ने पूर्वोत्तर में एक जैविक राज्य के रूप में पहचान बनाई है, वैसे ही लद्दाख, लेह और कारगिल भी एक कार्बन न्यूट्रल इकाई के रूप में अपनी पहचान बना सकते हैं।

क्षेत्र केन्द्रित और लोगों के अनुकूल विकास के मॉडल की स्थापना

- सरकार ने क्षेत्र के स्थानीय लोगों की आवश्यकता के अनुरूप विकास के एक नए मॉडल की स्थापना के लिए उनके साथ हाथ मिलाया है।

रक्षा मंत्रालय

हमारी सेनाओं को सलाम

- आज हमें अपने जोशीले जवानों के बलिदान को याद करना चाहिए।
- एलओसी से एलएसी तक, हमारे जवानों ने हमारे देश की सम्प्रभुता को चुनौती देने वालों को तगड़ा जवाब दिया है।
- पूरा देश भारत की सम्प्रभुता की रक्षा के लिए समर्पित है। हमारे बहादुर जवानों ने लद्दाख में क्या किया और अपने संकल्प की रक्षा के लिए देश क्या कर सकता है, यह पूरी दुनिया ने देखा है।

आत्मनिर्भर भारत

- भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए रक्षा उत्पादन में कई कदम उठाए गए हैं। 101 सामानों की आयात नकारात्मक सूची जारी की गई है।
- राष्ट्रीय सुरक्षा में सुधार के लिए सीमावर्ती और तटवर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाया जा रहा है।

क्षेत्रीय विस्तार

- लगभग 173 सीमावर्ती और तटीय जिलों में एनसीसी का विस्तार किया जाएगा। थल सेना, नौसेना और वायु सेना द्वारा एक लाख कैडेट्स को प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिनमें एक तिहाई लड़कियां होंगी।
- नौसेना और वायु सेना में युद्ध की भूमिका में महिलाओं को शामिल किया गया है।
- चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ की नियुक्ति से सेनाओं की सामूहिक ताकत ज्यादा प्रभावी हो गई है।

वित्त मंत्रालय

राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन परियोजना

- प्रधानमंत्री ने आधारभूत ढांचा क्षेत्र को बढ़ावा देने का ऐलान किया है
- सरकार राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (एनआईपी) परियोजना की सहायता से त्वरित विकास के लिए समग्र आधारभूत ढांचे में सुधार को प्राथमिकता दे रही है।
- एनआईपी में 110 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश किया जाएगा
- विविध क्षेत्रों में 7,000 से ज्यादा परियोजनाओं की पहचान की गई है
- राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन परियोजना देश को कोविड 19 के प्रभाव से बाहर निकालने में अहम भूमिका निभाएगी।
- एनआईपी एक ऐसी परियोजना है, जिससे भारत के आधारभूत ढांचा के निर्माण के प्रयासों में क्रांति आएगी।
- कई नए रोजगारों का सृजन होगा, हमारे किसानों, युवाओं, उद्यमियों को फायदा होगा।

एफडीआई

- अब मेक इन इंडिया के साथ, हमें 'विश्व के लिए निर्माण' के मंत्र के साथ भी आगे बढ़ना है।
- पूरी दुनिया भारत में हो रहे सुधारों को देख रही है। परिणाम स्वरूप, एफडीआई प्रवाह ने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।
- भारत में कोविड महामारी के दौरान भी एफडीआई में 18 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया।

जन धन खाते

- देश में गरीबों के जन धन खातों में प्रत्यक्ष रूप से लाखों करोड़ रुपये हस्तांतरित किए जा चुके हैं।
- देश में 40 करोड़ जन धन खाते खोले जा चुके हैं , जिनमें लगभग 22 करोड़ खाते सिर्फ महिलाओं के हैं।
- कोरोना के दौरान अप्रैल-मई-जून में, इन तीन महीनों के दौरान लगभग 30 करोड़ रुपये महिलाओं के खातों में सीधे हस्तांतरित किए गए।

एक राष्ट्र-एक राशन कार्ड, एक राष्ट्र- एक कर, दिवालियापन संहिता, बैंकों का विलय आज देश में वास्तविकता बन गई है।

प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण

- 7 करोड़ परिवारों को मुफ्त गैस सिलेंडर, राशन कार्ड धारकों या बिना राशन कार्ड वाले 80 करोड़ से ज्यादा लोगों को मुफ्त खाना दिया गया है, बैंक खातों में लगभग 90 हजार करोड़ रुपये प्रत्यक्ष रूप से हस्तांतरित किए जा चुके हैं।

होम लोन्स की ईएमआई और संकटग्रस्त परियोजनाओं के लिए विशेष कोष

- भुगतान अवधि के दौरान आपके घर के होम लोन की ईएमआई पर 6 लाख रुपये तक की छूट मिल रही है। सिर्फ बीते साल में ही अधूरे पड़े हजारों घरों को पूरा करने के लिए 25 हजार करोड़ रुपये का एक कोष तैयार किया गया है।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम

- हमारे किसानों ने बेहतरीन कार्य किया है। आज भारत के किसान न सिर्फ भारत के नागरिकों को खाद्यान्नों की आपूर्ति कर रहे हैं, बल्कि दूसरे देशों की आवश्यकताओं की पूर्ति कर रहे हैं।
- एक आत्मनिर्भर भारत की प्राथमिकता आत्मनिर्भर कृषि क्षेत्र और आत्मनिर्भर किसान हैं। हमें उन्हें बंधनों से मुक्त करना है और हमने ऐसा किया है।
- किसान अपनी इच्छा से अपनी शर्तों पर अपनी उपज को देश या दुनिया के किसी भी हिस्से में बेच नहीं सकते थे, लेकिन अब उनके सामने ऐसी कोई बाधाएं नहीं होंगी।

- हमने किसानों की आय बढ़ाने के लिए कई वैकल्पिक उपायों पर जोर दिया है। हम कृषि में इनपुट लागत घटाने पर लगातार काम कर रहे हैं।
- मधुमक्खी पालन, मछली पालन, मुर्गी पालन जैसे विकल्प किसानों को उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे उनकी आय दोगुनी हो सके।

बेहतर रास्तों पर आगे का सफर

- भारत सरकार ने कोरोना महामारी के दौरान भी कृषि आधारभूत ढांचे के लिए एक लाख करोड़ रुपये को स्वीकृति दी है। इसके परिणाम स्वरूप उनकी उपज को बेहतर मूल्य मिलेगा और वे विदेशी बाजारों तक पहुंच बनाने में सक्षम होंगे।
- ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष आर्थिक क्षेत्र बनाए जाएंगे। किसान उत्पाद संगठन (एफपीओ) की स्थापना की कोशिश की गई है, जिनसे किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक लंबा रास्ता तय होगा।

संचार मंत्रालय

5

हर किसी के लिए संपर्क

- अगले 1,000 दिन में सभी गांव ऑप्टिकल फाइबर केबल से जुड़ जाएंगे।
- 2014 से पहले देश की सिर्फ 5 दर्जन पंचायत ऑप्टिकल फाइबर से जुड़ी हुई थीं। पिछले पांच साल में देश की 1.5 लाख ग्राम पंचायत ऑप्टिकल फाइबर से जुड़ चुकी हैं। आगामी 1,000 दिन में देश के सभी 6 लाख गांव ऑप्टिकल फाइबर से जोड़ दिए जाएंगे।
- अगले 1,000 दिन में, लक्षद्वीप को भी सबमरीन ऑप्टिकल फाइबर केबल से जोड़ दिया जाएगा।
- लक्षद्वीप को सबमरीन ओएफसी से जोड़ने की घोषणा करते समय, पीएम ने कहा, "हमारे देश में 1300 से ज्यादा द्वीप हैं।"
- उनकी भौगोलिक स्थिति को देखते हुए, देश के विकास में उनके महत्व पर विचार करते हुए इन कुछ चुनिंदा द्वीपों में नई विकास योजनाएं शुरू करने का काम जारी है।
- अंडमान निकोबार द्वीप समूहों के बाद अगले 1,000 दिन में लक्षद्वीप भी सबमरीन ऑप्टिकल फाइबर केबल से जुड़ जाएगा।"

6

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

भीम यूपीआई/ डिजिटल लेनदेन में उछाल

- आप देख सकते हैं कि ऑनलाइन डिजिटल लेनदेन कितनी तेजी से बढ़ रहे हैं। भीम यूपीआई ऐप को देखिए... यह जानकर किसी को भी गर्व होगा कि हम सिर्फ पिछले महीने में भीम यूपीआई के माध्यम से 3 लाख करोड़ रुपये के लेनदेन कर सके हैं।
- यह एक उत्कृष्ट उदाहरण है कि हमने कैसे बदलते परिदृश्य को स्वीकार किया है।"

नई साइबर सुरक्षा नीति

- साइबर सुरक्षा नीति का भी ऐलान किया गया है। इस तकनीक के दौर में, साइबरस्पेस पर हमारी निर्भरता कई गुना बढ़ने जा रही है। हालांकि साइबरस्पेस के अपने जोखिम और चुनौतियां भी होती हैं।
- दुनिया इनको लेकर पूरी तरह सतर्क है। इससे हमारे देश के सामाजिक सौहार्द , हमारी अर्थव्यवस्था और यहां तक हमारे देश के विकास के लिए चुनौती पैदा हो सकती है; हम इसको लेकर सावधान हैं। भारत खासा सतर्क है और इन जोखिमों से निबटने के लिए कदम उठाने की योजना बना रहा है।
- नई व्यवस्थाएं लगातार विकसित हो रही हैं। जल्द ही राष्ट्र के सामने एक नई साइबर सुरक्षा नीति का मसौदा प्रस्तुत किया जाएगा।
- आने वाले दौर में हमें हर चीज को एकीकृत करना होगा और फिर अपनी साइबर सुरक्षा की रूपरेखा के भीतर काम करना होगा। हम आगे बढ़ने के लिए रणनीति तैयार करेंगे।"

7

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय

समावेशी विकास

- हमारा अनुभव कहता है कि भारत में जब भी महिला शक्ति को अवसर मिला है, उन्होंने देश को ख्याति दिलाई है, देश को मजबूती दी है।
- चाहे अपने धर्म के कारण मुश्किलों का सामना कर रहे शरणार्थियों के लिए नागरिकता संशोधन अधिनियम हो, दलित/पिछड़ों/एससी/एसटी/ओबीसी के लिए आरक्षण का अधिकार हो, असम और त्रिपुरा में ऐतिहासिक शांति समझौता हो, सेनाओं की सामूहिक शक्ति को ज्यादा प्रभावी बनाने के लिए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ की नियुक्ति हो या करतारपुर साहिब कॉरिडोर के निर्माण हो, ये सभी काम रिकॉर्ड अवधि में पूरे किए गए।

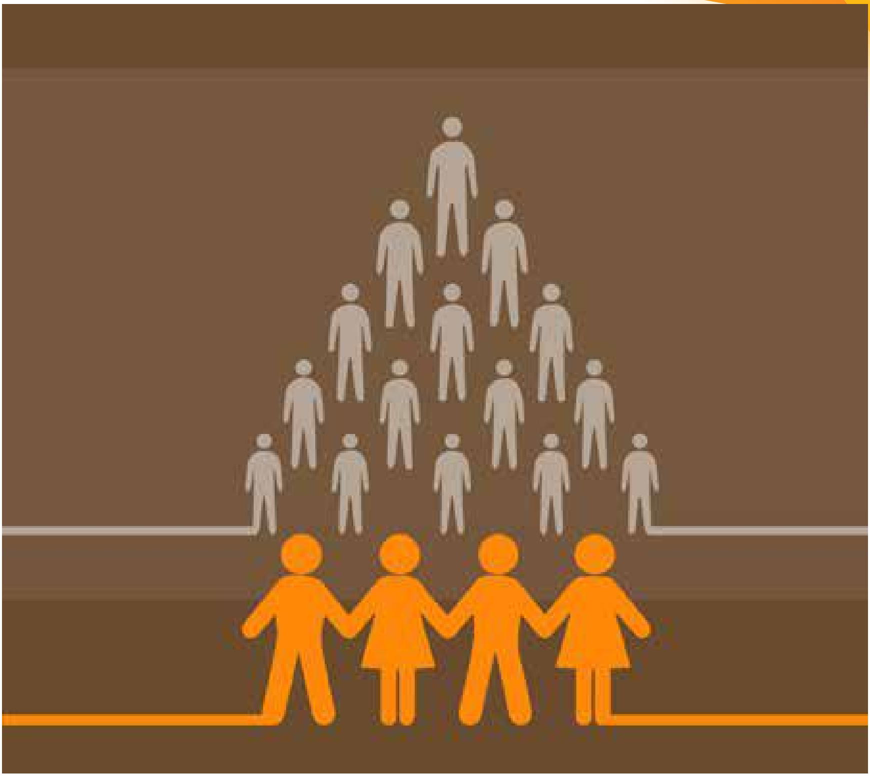

- भारत ने इतिहास रचा है, उसने इतिहास बनते हुए देखा है, असाधारण उपलब्धियां हासिल की जा चुकी हैं।
- हमें संकल्प लेना चाहिए, हमें एक शपथ लेनी चाहिए कि हम आयात पर निर्भरता कम करने के लिए अंशदान करेंगे, हम अपने छोटे उद्योगों को सशक्त बनाएंगे, हम सभी स्थानीय उत्पाद के लिए मुखर (वोकल फॉर लोकल) होंगे।
- हम ज्यादा नवाचार करेंगे, अपने युवाओं, महिलाओं, अनुसूचित जनजातियों, अनुसूचित जातियों, दिव्यांगों, आर्थिक रूप से कमजोर तबकों, गांवों, पिछड़े वर्गों और हर किसी को सशक्त बनाएंगे।

- आज महिलाएं न सिर्फ भूमिगत कोयला खदानों में काम कर रही हैं, बल्कि वे लड़ाकू विमानों को उड़ाकर आकाश की नई ऊंचाइयों को भी छू रही हैं।
- देश में खोले गए 40 करोड़ जन धन खातों में से लगभग 22 करोड़ खाते सिर्फ महिलाओं के ही हैं।
- कोरोना के इस दौर में अप्रैल-मई-जून में महिलाओं के खातों में सीधे लगभग 30 हजार करोड़ रुपये हस्तांतरित किए जा चुके हैं।

8

शिक्षा मंत्रालय

सभी को सुविधा देने के लिए नई शिक्षा नीति

- आत्मनिर्भर, आधुनिक, नए भारत, एक ऐसा भारत जो संपन्न और खुश होगा, के निर्माण में देश की शिक्षा का खासा महत्व है।
- इस विचार के साथ हम तीन दशकों के बाद देश को आज एक नई शिक्षा नीति उपलब्ध कराने में सफल रहे हैं। नए उत्साह और एक नए जोश के साथ देश के हर कोने से इसका स्वागत किया जा रहा है।
- यह ऐसी राष्ट्रीय शिक्षा नीति है, जो हमारे विद्यार्थियों को जड़ों से जोड़ेगी। इसके अलावा इससे उन्हें वैश्विक नागरिक बनाने में सहायता मिलेगी।
- विद्यार्थी जहां जड़ों से जुड़े रहेंगे और नई ऊंचाइयों को भी स्पर्श करेंगे। आपको गौर करना चाहिए कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्रगति, राष्ट्र की नवाचार की जरूरतों को पूरा करने के क्रम में नेशनल रिसर्च फाउंडेशन को विशेष जिम्मेदारी दी गई है।

- नवाचार और अनुसंधान पर जितना ज्यादा जोर होगा, भारत को इस प्रतिस्पर्धी विश्व में आगे बढ़ने में उतनी ही ताकत मिलेगी।
- किसने सोचा था कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी ऑनलाइन कक्षाएं होंगी और कितनी तेजी से इस दिशा में काम होगा? कभी कभार, मुश्किल दौर में पूरी ताकत से नई क्रांतिकारी पहल सामने आती हैं। यही वजह है कि हमने इस महामारी के दौर में ऑनलाइन कक्षाओं की संस्कृति को तेजी से उभरते हुए देखा है।
- अब सामान्य बातें कारगर नहीं होंगी। अब वह दौर चला गया, जब संयोग से काम हो जाते थे। हम दुनिया में किसी से भी कम नहीं हैं। हमें सर्वश्रेष्ठ के लिए प्रयास करने होंगे। इसके लिए हमें विनिर्माण में सर्वश्रेष्ठ, मानव संसाधनों में सर्वश्रेष्ठ, प्रशासन में सर्वोत्तम कार्य और प्रगति के उद्देश्य से काम करने की जरूरत है, जिससे अपनी स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ पर हर क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ बन सकें।
- हमारी नीतियां, प्रक्रियाएं, उत्पाद- सब कुछ उत्कृष्ट, सर्वश्रेष्ठ होने चाहिए जिससे हम 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं।

9

जनजातीय कार्य मंत्रालय

आदिवासियों के जीवन का उत्थान

- विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान प्रत्यक्ष रूप से शुद्ध पेयजल से संबद्ध होता है। यह देश की अर्थव्यवस्था में भी योगदान करता है। यही वजह है कि हमने 'जल जीवन मिशन' की शुरुआत की है।
- आज हम यह खुशी महसूस कर रहे हैं कि हर दिन एक लाख से ज्यादा नए घरों को पाइप से पानी की आपूर्ति की जा रही है। पिछले एक साल में 2 करोड़ परिवारों, विशेष रूप से वनों और दुर्गम क्षेत्रों में रह रहे आदिवासियों को पानी उपलब्ध कराया गया है।

सभी को अवसर

- हमें एक संकल्प लेना चाहिए, हमें एक शपथ लेनी चाहिए कि हम आयात पर निर्भरता कम करने में अंशदान करेंगे, हम अपने लघु उद्योगों को सशक्त बनाएंगे, हम स्थानीय के लिए ज्यादा मुखर (वोकल फॉर लोकल) होंगे, हम ज्यादा नवाचार करेंगे, अपने युवाओं, महिलाओं, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, दिव्यांगों, आर्थिक रूप से कमजोर तबकों, गांवों, पिछड़े वर्गों और हर किसी को सशक्त बनाएंगे।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

सभी क्षेत्रों में महिलाओं का सशक्तिकरण

- देश महिलाओं को रोजगार और स्व रोजगार के लिए समान अवसर उपलब्ध कराने के लए प्रतिबद्ध है।
- सरकार ने गर्भवती महिलाओं को 6 महीने का सवैतनिक अवकाश उपलब्ध कराने का फैसला लिया है।
- महिलाओं को तीन तलाक की बुराई से निजात दिलाई।
- महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण किया गया। कुल 40 करोड़ जन धन खातों में 22 करोड़ खाते महिलाओं से संबंधित हैं। 25 करोड़ मुद्रा कर्जों में से 70 प्रतिशत महिलाओं को दिए गए हैं।

- पीएम आवास योजना के अंतर्गत अधिकतम पंजीकरण महिलाओं के नाम पर किए गए हैं।
- 6000 जन औषधि केन्द्रों से महिलाओं को 5 करोड़ से ज्यादा सैनिटरी पैड्स की बिक्री की गई है।

11

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन की घोषणा

- प्रधानमंत्री ने एनएचडीएम का शुभारंभ किया।
- यह भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नई क्रांति लाएगा। इलाज में आने वाली परेशानियां कम करने के लिए प्रौद्योगिकी का सुविचारित रूप से उपयोग किया जाएगा।
- प्रत्येक भारतीय को एक स्वास्थ्य आईडी दी जाएगी। यह स्वास्थ्य आईडी प्रत्येक भारतीय के स्वास्थ्य खाते की तरह काम करेगी। आपके हर टेस्ट, हर बीमारी, आप किस-किस डॉक्टर के पास गए थे, आपने कौन-कौन सी दवाएं ली थीं, किस रोग का पता चला, ये सारी जानकारियां आपकी इस स्वास्थ्य आईडी में समाहित की जाएंगी।

- रिपोर्ट कब मिली थी और इसमें क्या लिखा है, ये सारी जानकारियां आपकी इस स्वास्थ्य आईडी में समाहित की जाएंगी।
- डॉक्टर से अप्वाइंटमेंट हो, पैसा जमा करना हो, अस्पताल में पर्ची बनवाने की भागदौड़ हो, इन तमाम मुसीबतों से राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन मुक्ति दिलाएगा।
- हम एक ऐसी प्रणाली तैयार कर रहे हैं जिससे प्रत्येक नागरिक को बेहतर और पूरी जानकारी के साथ निर्णय लेने में मदद मिलेगी।

कोविड-19 वैक्सीन

- भारत में तीन वैक्सीन टेस्टिंग के अलग-अलग चरण में हैं।
- हमारे वैज्ञानिकों की ओर से जब हरी झंडी मिल जाएगी, तो हम बड़े पैमाने पर वैक्सीन का उत्पादन शुरू कर देंगे।
- सारी तैयारियां हो चुकी हैं – वैक्सीन का तेजी से उत्पादन करने और इसे हर भारतीय तक कम से कम समय में पहुंचाने की रूपरेखा तैयार है।

आत्मनिर्भर भारत -चिकित्सा उपकरण

- भारत ने पीपीई और वेंटिलेटर का उत्पादन शुरू कर दिया है जिनका उत्पादन पहले देश में नहीं होता था।
- पहले केवल एक लैब थी और आज हमारे पास 1400 से भी अधिक लैब हैं। हम पहले एक दिन में सिर्फ 300 टेस्ट कर पाते थे, आज हम एक दिन में 7 लाख से भी अधिक टेस्ट कर रहे हैं। हमने अत्यंत कम समय में यह उपलब्धि हासिल की है।
- हम न केवल अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम हैं, बल्कि अब दुनिया को निर्यात करने की पर्याप्त ताकत भी हममें आ गई है।
- भारत आत्मनिर्भर हो गया है और दुनिया को आवश्यक सहयोग भी दे रहा है।
- विश्व की भलाई में भी भारत का योगदान करने का दायित्व बनता है।

12

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

पारिस्थितिकी या जैव विविधता का संरक्षण और संवर्धन

- 'प्रोजेक्ट टाइगर' की तर्ज पर एक समग्र 'प्रोजेक्ट लॉयन' की घोषणा।
- नदियों व समुद्र दोनों में ही रहने वाली डॉल्फिन के संरक्षण के लिए 'प्रोजेक्ट डॉल्फिन' की घोषणा।
- लद्दाख पहला 'कार्बन न्यूट्रल शून्य क्षेत्र' बनेगा।
- 100 से अधिक शहरों में वायु प्रदूषण कम करने की दिशा में ठोस उपाय किए जाने हैं। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा वर्ष 2019 में शुरू किया गया 'राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम' इस विजन को आगे ले जाएगा

13

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

'मेक इन इंडिया' से 'मेक फॉर वर्ल्ड' की ओर अग्रसर

- कुछ माह पहले तक हम विदेश से एन-95 मास्क, पीपीई किट और वेंटिलेटर का आयात किया करते थे। हमने महामारी के दौरान न केवल एन-95 मास्क, पीपीई किट और वेंटिलेटर बनाए, बल्कि दुनिया भर में इनका निर्यात करने में भी पूरी तरह सक्षम रहे।
- 'मेक इन इंडिया' के अलावा हमें 'मेक फॉर वर्ल्ड' के मंत्र को भी अवश्य अपनाना चाहिए।
- हम कब तक कच्चा माल दुनिया में भेजते रहेंगे और इनसे तैयार उत्पाद दुनिया से वापस लाते रहेंगे। एक समय था जब हमारी कृषि प्रणाली बहुत पिछड़ी हुई थी। उस समय सबसे बड़ी चिंता यह होती थी कि देशवासियों का पेट कैसे भरा जाए। आज हम केवल भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के कई देशों के नागरिकों का पेट भर सकते हैं। आत्मनिर्भर भारत का मतलब न केवल आयात में कमी लाना है, बल्कि हमारे कौशल और हमारी रचनात्मकता को बढ़ाना भी है।
- पूरी दुनिया भारत में लागू किए जा रहे सुधारों को देख रही है। इसके परिणामस्वरूप एफडीआई की आवक ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। भारत ने तो यहां तक कि कोविड महामारी के दौरान भी एफडीआई में 18% की ऊंची छलांग देखी है।

जल शक्ति मंत्रालय

जल जीवन मिशन

- जल जीवन मिशन का एक साल पूरा हो रहा है। सभी लोगों को शुद्ध पेयजल मुहैया कराने का हमारा सपना साकार हो रहा है।
- कई स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान सीधे तौर पर शुद्ध पेयजल से जुड़ा हुआ है। यह देश की अर्थव्यवस्था में भी अहम योगदान देता है। इसलिए हमने जल जीवन मिशन शुरू किया है।
- हम हर दिन एक लाख से भी अधिक घरों में पाइप के जरिए जल की आपूर्ति करने में सक्षम हैं। पिछले एक साल में हम 2 करोड़ परिवारों, विशेषकर वनों और दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले आदिवासियों को जल उपलब्ध कराने में सक्षम हुए हैं।
- एक व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। आज 'जल जीवन मिशन' ने देश में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का माहौल बना दिया है। यही नहीं, जिलों के बीच, शहरों के बीच और राज्यों के बीच भी स्वस्थ प्रतिस्पर्धा देखी जा रही है।

- हर कोई यही उम्मीद कर रहा है कि प्रधानमंत्री का 'जल जीवन मिशन' का सपना उनके क्षेत्रों में जल्द से जल्द पूरा हो जाए।
- सहकारी एवं प्रतिस्पर्धी संघवाद की नई ताकत 'जल जीवन मिशन' के साथ जुड़ी हुई है और हम इसके साथ आगे बढ़ रहे हैं। पिछले साल जल जीवन मिशन की घोषणा की गयी थी। आज इस मिशन के तहत हर दिन एक लाख से भी अधिक घरों में जल कनेक्शन दिए जा रहे हैं।

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

अधूरे मकानों को पूरा करने के लिए 25000 करोड़ रुपये का विशेष कोष

- भारत सरकार ने अधूरे मकानों को पूरा करने के लिए 25 हजार करोड़ रुपये का एक विशेष कोष बनाया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मध्यम वर्ग के परिवारों को घर मिलें।
- हाल ही में यह पाया गया कि बड़ी संख्या में प्रभावित मध्यमवर्गीय परिवारों ने अपना पैसा (घर खरीदने के लिए) लगाया है, लेकिन योजनाओं के पूरा न होने के कारण उन्हें घर का कब्जा नहीं मिल सका और वे अब भी किराये के मकान में रह रहे हैं।

रेहड़ी पटरी वालों (स्ट्रीट वेंडर्स) के लिए 'पीएम स्वनिधि' योजना

- चूंकि आर्थिक गतिविधियों का केंद्र शहर है, इसलिए स्ट्रीट वेंडर्स जैसे कामगारों, जो गांवों से शहरों में अपनी आजीविका के लिए आते हैं, के लिए एक योजना लागू की जा रही है, ताकि उन्हें बैंकों द्वारा पैसा सीधे प्रदान किया जा सके।
- यहां तक कि कोरोना संकट काल के दौरान भी इतनी छोटी सी अवधि में लाखों लोगों ने इसका लाभ उठाया है। अब उन्हें ज्यादा ब्याज पर पैसा उधार लेने की आवश्यकता नहीं है। ये कामगार अब गरिमा और अधिकार के साथ अपना पैसा प्राप्त कर सकते हैं।

किफायती किराया आवास योजना

- जब हमारे कामगार गांवों से शहरों में आते हैं, तो यदि उन्हें अच्छा आवास मिलता है तो उनकी कार्यक्षमता भी बढ़ जाती है।
- इसे ही ध्यान में रखते हुए हमने शहर के अंदर उनके लिए किफायती आवास की व्यवस्था करने हेतु एक बड़ी योजना बनाई है, ताकि जब कामगार शहर में आएं तो वे पूरे विश्वास एवं प्रतिबद्धता के साथ अपने काम पर फोकस कर सकें, सही ढंग से अपनी सेवाएं दे सकें और इसके साथ ही प्रगति कर सकें।

16

पर्यटन मंत्रालय

मजबूत होता पर्यटन सम्बन्धी ढांचा

- जब देश का स्वास्थ्य ढांचा आत्मनिर्भर हो जाएगा तो भारत स्वास्थ्य पर्यटन के लिए एक गंतव्य के रूप में एक पसंदीदा देश बन जाएगा।

- एक और अहम कार्य जिसे हम बढ़ावा देना चाहते हैं, वह है - प्रोजेक्ट डॉल्फिन। हम नदियों और समुद्रों में रहने वाली दोनों ही प्रकार की डॉल्फिन पर फोकस करेंगे। इससे जैव विविधता को भी बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। यह पर्यटन के लिए भी आकर्षण का केंद्र है।

- आज हर दिशा में कनेक्टिविटी पर विशेष जोर दिया जा रहा है, चाहे वह हिमालय की चोटियों पर हो, या हिंद महासागर के द्वीपों पर। राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक हर जगह नई सड़कों का निर्माण किया जा रहा है। हमारे पास इतना विशाल समुद्र तट है। इसके साथ-साथ हमारे पास 1300 से भी अधिक द्वीप हैं। कुछ चिन्हित या पहचाने गए द्वीपों के विशेष महत्व को ध्यान में रखते हुए हम उन्हें बड़ी तेजी से विकसित कर रहे हैं। आपने पिछले हफ्ते यह अवश्य देखा होगा कि अंडमान और निकोबार द्वीप में एक सबमरीन ऑप्टिकल फाइबर केबल परियोजना राष्ट्र को समर्पित की गई थी। अंडमान और निकोबार द्वीप में अब दिल्ली एवं चेन्नई की तरह ही इंटरनेट की बेहतरीन सुविधा होगी। शीघ्र ही हम लक्षद्वीप को भी इसी तरह से कनेक्ट करने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। हम अगले 1000 दिनों में लक्षद्वीप को हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं।

17

संस्कृति मंत्रालय

- पिछले साल ही राष्ट्र ने कई महत्वपूर्ण और बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। गांधी जी की जयंती के 150वें वर्ष पर भारत ने अपने गांवों को खुले में शौच से मुक्त किया है।
- दस दिन पहले, अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर का निर्माण शुरू हुआ। राम जन्मभूमि के सदियों पुराने मुद्दे की शांतिपूर्ण परिणीति हासिल की गई है।
- भारतीय नागरिकों ने असाधारण संयम और बुद्धिमत्ता का परिचय दिया है और जिम्मेदारी से काम किया है। यह अभूतपूर्व है और भविष्य के लिए प्रेरणादायी है। शांति, एकता और सद्भाव - ये आत्मनिर्भर भारत की ताकत बनने जा रहे हैं।
- यह सद्भाव–सद्भावना; यह भारत के समृद्ध भविष्य की गारंटी है। हमें इस सद्भाव के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। प्रत्येक भारतीय को विकास के यज्ञ में अवश्य योगदान देना चाहिए।

18

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

- प्रधानमंत्री ने लद्दाख में 7,500 मेगावाट के सौर पार्क के निर्माण की घोषणा की। लद्दाख नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। केंद्रीय विश्वविद्यालय तथा नए अनुसंधान केंद्र की स्थापना एवं होटल और प्रबंधन के लिए नए पाठ्यक्रम तैयार करने पर काम चल रहा है। 7,500 मेगावाट के सौर पार्क के निर्माण की योजना भी तैयार की जा रही है।
- भारत ने दिखाया है कि पर्यावरण को संतुलित करते हुए विकास की ओर अग्रसर होना संभव है। आज भारत, विशेष रूप से सौर ऊर्जा के क्षेत्र में पूरी दुनिया को एक विश्व, एक सूर्य और एक ग्रिड के अपने दृष्टिकोण से प्रेरित कर रहा है।

- भारत ने अक्षय ऊर्जा उत्पादन में दुनिया के शीर्ष पांच देशों में से एक के रूप में स्वयं को स्थापित किया है। भारत प्रदूषण के प्रति जागरूक है तथा प्रदूषण के समाधान के लिए प्रयासरत भी है। हम स्वच्छ भारत अभियान, धुआं रहित खाना पकाने वाली गैस, एलईडी अभियान, सीएनजी आधारित परिवहन या बिजली आधारित गतिशीलता के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

19

ऊर्जा मंत्रालय

- देश के नागरिकों, विशेष रूप से वंचित और गरीब लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए हर परिवार को बिजली का कनेक्शन दिया गया।
- पिछले छह वर्षों में, देश के मेहनतकश नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कई अभियान चलाए गए हैं, जैसे अपना बैंक खाता, पक्के घर का मालिक होना, इतनी बड़ी संख्या में शौचालयों का निर्माण और हर घर में बिजली का कनेक्शन देना।
- आज हम अपनी माताओं और बहनों को धुएँ से मुक्ति दिलाने के लिए गैस कनेक्शन प्रदान कर रहे हैं, सबसे गरीब लोगों को बीमा सुरक्षा प्रदान करने के प्रयास किए जा रहे हैं, आयुष्मान भारत योजना में पाँच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मुहैया कराया जा रहा है तथा राशन की दुकानों को डिजिटल तकनीक के माध्यम से जोड़ा जा रहा है।
- पिछले छह वर्षों में पारदर्शिता को बहाल करने और भेदभावपूर्ण प्रथाओं को समाप्त करने के लिए महत्वपूर्ण कार्य किये गए हैं, ताकि हर गरीब तक सुविधाएं पहुंचें।

रसायन और उर्वरक मंत्रालय

औषध विभाग

हम 6000 जन औषधि केन्द्रों के जरिये 1 रुपये में 5 करोड़ से ज्यादा सेनेटरी पैड हमारी गरीब महिलाओं तक पहुंचा चुके हैं। हम जल्द ही बेटियों की शादी की उम्र पर भी पुनर्विचार करेंगे।

- हमें अपने साथी भारतीयों की क्षमताओं, आत्मविश्वास और सामर्थ्य पर भरोसा है। इतिहास गवाह है कि एक बार जब हम कुछ करने की ठान लेते हैं तो हम उस लक्ष्य को प्राप्त करने तक आराम नहीं करते हैं।

- कुछ महीनों पहले हम विदेश से एन -95 मास्क, पीपीई किट और वेंटिलेटर आयात करते थे। हमने महामारी के दौरान न केवल एन -95 मास्क बनाए बल्कि पीपीई किट और वेंटिलेटर भी बनाए।

21

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

- स्वच्छ भारत अभियान हो, धुंआ मुक्त रसोई गैस की व्यवस्था हो, एलईडी बल्ब का अभियान हो, सीएनजी आधारित परिवहन व्यवस्था हो, हम कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।
- प्रदूषण के समाधान को लेकर भारत सजग भी है और सक्रिय भी है। हम पेट्रोल से प्रदूषण को कम करने के लिए इथेनॉल उत्पादन बढ़ाने में और उसके इस्तेमाल पर बल दे रहे हैं। पांच साल पहले हमारे देश के अंदर इथेनॉल की क्या स्थिति थी? पांच साल पहले हमारे देश में 40 करोड़ लीटर इथेनॉल का उत्पादन होता था। आज पांच साल में यह पांच गुना हो गया है।
- आज हमारे देश में 200 करोड़ लीटर इथेनॉल बन रहा है जो पर्यावरण के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध हो रहा है।

युवा कार्य और खेल मंत्रालय

- हम आजादी के 75 वर्ष से एक कदम दूर हैं, हमें युवा शक्ति पर भरोसा है। देश का युवा भारत को आत्मनिर्भर बनाने के सपने को चरितार्थ करके रहेगा। हम और नई खोजों द्वारा अपने युवाओं को सशक्त बनाएंगे।
- देश अनेक नई पहलें कर रहा है और देश के युवाओं को अन्य क्षेत्रों के अलावा अंतरिक्ष, कृषि, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अवसर मिल रहे हैं।
- सीमा से लगे 173 जिलों में लड़कियों सहित नौजवानों के लिए एक बड़ा कार्यक्रम शुरू किया जाएगा।
- सेना, नौसेना और वायु सेना द्वारा इन सीमावर्ती इलाकों में करीब-करीब एक लाख नये एनसीसी कैडेटों को तैयार किया जाएगा और उसमें एक तिहाई हमारी बेटियां होंगी।
- हमारे बॉर्डर और तटीय इलाकों को आपदाओं से निपटने के लिए एक प्रशिक्षित जन शक्ति मिलेगी, युवाओं को सशस्त्र सेना में करियर बनाने के लिए जरूरी कौशल भी मिलेगा।

विदेश मंत्रालय

23

- भारत का आजादी का आंदोलन विस्तारवाद की ताकतों के खिलाफ खड़े होने के लिए दुनिया के अंदर भी प्रेरणा का पुंज बन गया। जो लोग विस्तारवाद की अंधी दौड़ में लगे हुए थे, उन्होंने विस्तारवाद के इन मंसूबों को पार करने के लिए दुनिया को दो-दो विश्वयुद्धों में झोंक दिया और मानवता को तहस-नहस कर दिया, जिंदगियां तबाह कर दीं, दुनिया को तबाह कर दिया।

- आज दुनिया परस्पर सम्बद्ध और एक दूसरे पर निर्भर है और इसलिए समय की मांग है कि विश्व अर्थव्यवस्था में भारत जैसे विशाल देश का योगदान बढ़ना चाहिए। जब हमारी जड़ें मजबूत होंगी, हमारा अपना सामर्थ्य होगा तो हम दुनिया का भी कल्याण करने की दिशा में कदम उठा सकते हैं।

- इतनी आपदाओं (कोविड-19) के बीच सीमा पर भी देश के सामर्थ्य को चुनौती देने के दुष्प्रयास हुए हैं। लेकिन हमारे वीर-जवानों ने उसका उसी की भाषा में जवाब दिया है।

- आतंकवाद हो, या उग्रवाद भारत आज डटकर मुकाबला कर रहा है। आज दुनिया का भारत पर विश्वास और मजबूत हुआ है। पिछले दिनों संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के रूप में 192 में से 184 देशों का भारत को समर्थन मिलना हर हिन्दुस्तानी के लिए गर्व की बात है। विश्व में हमने कैसी अपनी पहुंच बनाई है, उसका ये उदाहरण है। और ये तभी संभव होता है जब भारत खुद मजबूत हो, भारत सशक्त हो, भारत सुरक्षित हो।

- हम पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को सुरक्षा, विकास और विश्वास की साझेदारी के साथ जोड़ रहे हैं। भारत का लगातार प्रयास है कि अपने पड़ोसी देशों के साथ हम अपने सदियों पुराने सांस्कृतिक, आर्थिक और सामाजिक रिश्तों को और गहराई दें।

- दुनिया की एक-चौथाई जनसंख्या दक्षिण एशिया में रहती है। हम संयोग और सहभागिता से इतनी बड़ी जनसंख्या के विकास और समृद्धि की अनगिनत संभावनाएं पैदा कर सकते हैं। इस क्षेत्र के देशों के सभी नेताओं की इस विशाल जनसमूह के विकास और प्रगति की एक अहम जिम्मेदारी है। हम सभी से उस जिम्मेदारी को निभाने का आह्वान करते हैं ।

- पड़ोसी सिर्फ वो ही नहीं है जिनसे हमारी भौगोलिक सीमाएं मिलती हैं, बल्कि वे भी हैं जिनसे हमारे दिल मिलते हैं, जहां रिश्तों में समरसता होती है, मेलजोल रहता है। हमें खुशी है बीते कुछ समय में भारत ने विस्तारित पड़ोस (Extended Neighbourhood) के सभी देशों के साथ अपने संबंधों को और मजबूत किया है।

- पश्चिम एशिया के देशों से हमारे राजनैतिक, आर्थिक और मानवीय संबंधों की प्रगति में कई गुना तेजी आई है। इन सभी देशों में बहुत बड़ी संख्या में हमारे भारतीय भाई-बहन काम कर रहे हैं। जिस प्रकार इन देशों ने कोरोना के संकट के समय भारतीयों की मदद की, भारत सरकार के अनुरोध का सम्मान किया, उसके लिए भारत उन सभी देशों का आभारी है।

- भारत आसियान देशों के साथ जो हमारे समुद्र तटीय पड़ोसी भी हैं, इन देशों के साथ, सिर्फ सुरक्षा क्षेत्रों में नहीं बल्कि समुद्री संपदा के क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ा रहा है।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार